om 8 initial_Page 1 and 2 10-07-2014 21:34 Page 1

गामदेवी सेंटर ने मनाया स्वर्ण-जयन्ती महोत्सव

गामदेवी-मुम्बई। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. नेहा, मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश शाह, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. दिव्यप्रभा, ब्र.कु.मीरा, ब्र.कु.नलिनी दीदी, वीडियोकॉन के चेरयमैन वाई.पी. त्रिवेदी, कमिशन फॉर वुमेन के चेरयमैन शशि साह तथा अन्य गणमान्य जन।

गामदेवी-मुम्बई। गामदेवी सेंटर की गोल्डेन जुबली सेलीब्रेशन के अवसर पर दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व तत्कालीन मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि द्वारा गामदेवी सेवाकेन्द्र का शुभारंभ हुआ, जिसके माध्यम से आज ईश्वरीय संदेश जन-जन तक पहुंच रहा है और इसका लाभ पाकर जनमानस अपने जीवन को सुंदर बनाने के पथ पर अग्रसर हुए हैं और हो रहे हैं।

गोल्डेन जुबली के अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत पुन: सोने की चिड़िया बनेगा जहां हर मानव टेंशन व मानसिक व्याधियों से मुक्त होगा और हर मानव के मन में सुख शांति और चैन की बंसी बजेगी। इस समयचक्र के अंतर्गत परमात्मा इस धरा पर आकर ऐसी दुनिया बना रहा है, ये संदेश देते हुए सबका आह्वान किया कि आप भी सभी परमात्मा से अपना सुख शांति और प्रेम का वर्सा लेकर अपने को धन्य बनाइए।

रमेश शाह,मैनेजिंग ट्रस्टी,ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि पचास साल पूर्व रखी नींव से ईश्वरीय संदेश आज पूरे नगरवासियों को पहुंच रही है। ब्र.कु. संतोष ने जनसभा को सम्बोधित किया। विशेष रूप से कलाकारों ने भारत के कालचक्र में स्वर्णिम भारत की झलकियाँ दिखाते हुए बताया कि किस प्रकार हमारा भारत स्वर्णिम दुनिया कहलाता था और धीरे-धीरे इसकी स्थिति क्या से क्या हो गई। इस उत्थान और पतन की कहानी को कला के माध्यम से और ज्ञानवर्धक रूप से प्रस्तुत करके कलाकारों ने लोगों के दिलों को छू लिया। वीडियोकॉन के अध्यक्ष वाय.वी. त्रिवेदी भी इस अवसर पर मौजूद थे। एम.पी. और शहर के गणमान्य लोगों ने भी उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बहुत ही उमंग-उत्साह के साथ यह कार्यक्रम सन्मुखानंद ऑडिटोरियम,सायन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ये ऑडिटोरियम लोगों से खचाखच भरा हुआ था तथा सभी ने इस कार्यक्रम का भरपूर लाभ उठाया।

खुशी का आधार मन की सच्चाई–जस्टिस ईश्वरैय्या

ओ.आर.सी.। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए पूर्व चीफ जस्टिस वी. ईश्वरैय्या, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. रश्मि, एडवोकेट मुकेश आहूजा, ब्र.कु. अमिता, एडवोकेट ब्र.कु. लता तथा अन्य।

ओ.आर.सी। आज दुनिया में सभी सच्ची खुशी चाहते हैं, लेकिन हम देखते हैं कि इन खुशियों को मानव बाह्य जगत की भौतिक वस्तुओं एवं व्यक्तियों में ही ढूंढ़ते हैं, वास्तव में सच्ची खुशी हमारे स्वयं के भीतर है। खुशी मन की एक अवस्था है। जितना मन के भीतर सच्चाई एवं सफाई होती है, उतना जीवन स्वत: ही खुशियों से भरपूर होता है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय नेशनल ज्यूरिस्ट कॉन्फ्रेन्स में 'आर्ट ऑफ हैप्पी लिविंग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व चीफ जस्टिस वी. ईश्वरैय्या,हैदराबाद उच्च न्यायालय, अध्यक्ष,नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेज़,भारत सरकार ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि भौतिक चीज़ों से जो खुशी मिलती है वो विनाशी है जबकि सच्ची एवं अविनाशी खुशी तो स्वयं के अंदर आत्म-अनुभूति से प्राप्त होती है। आज राजयोग की सबसे अधिक आवश्यकता ज्यूडिशियल के क्षेत्र में है क्योंकि वकीलों को बहुत धैर्य, शान्ति एवं परखने की शक्ति चाहिए। आज अनेक प्रकार के मुकदमे जो सामने आते हैं उनमें बहुत से मामले झूठे होते हैं। जब हमारा मन शान्त होगा तभी हम स्थिति को समझ सकेंगे एवं सही न्याय दिला सकते हैं। राजयोग हमारे मन को सकारात्मक एवं शक्तिशाली बनाता है।

उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर कहा कि जबसे मैंने अपने जीवन में राजयोग का अभ्यास किया, हमेशा बिना किसी दबाव व प्रलोभन के निष्पक्ष न्याय दिया। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज राजनीति के क्षेत्र में भी अच्छा परिवर्तन आ रहा है, हमारे प्रधानमंत्री जी की भी यही शुभ इच्छा है कि भारत की छवि सारे विश्व में एक श्रेष्ठ एवं ईमानदार राष्ट्र के रूप में सामने आये, जिसके लिए उन्होंने अपनी योजनाओं को कार्यरूप देना शुरू भी कर दिया है।

ब्र.कु. आशा, निदेशिका, ओ.आर.सी. ने कहा कि आज हम सभी इस बाह्य जगत में रहते हैं जिसके कारण हमारा ज़्यादातर समय भौतिकता के चिन्तन में ही जाता है लेकिन आज आप यहाँ इसलिए आये हैं कि स्वयं के भीतर जाकर हम महसूस करें कि हम वास्तव में क्या हैं एवं कौन-सी वो क्षमतायें हैं जिनके द्वारा हम स्वयं के साथ-साथ समाज का भी हित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दादी जानकी,चीफ ऑफ ब्रह्माकुमारीज़ कहती हैं कि हमें दर्पण बनना है, विन्डो नहीं, क्योंकि दर्पण में हम स्वयं को देख सकते हैं जबकि विन्डो से दूसरों को ही देखते रहते हैं। बाहर की दुनिया में आज सिर्फ प्रतिस्पर्धा है, निन्दा है, जोकि हमें खुशी से दूर ले जाती है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा की जा रही सेवाओं की भी जानकारी दी। ब्र.कु. पुष्पा,दिल्ली ने कहा कि देवताओं के चित्रों से आज तक भी हमें सुख, शान्ति, आनंद एवं खुशी का अनुभव होता है जिसका कारण देवताओं के श्रेष्ठ चरित्र एवं उनके जीवन की सत्यता है, लेकिन आज हम अपने सत्य-स्वरूप को भूलकर भौतिकता को ही अपना स्वरूप समझने लगे हैं। उन्होंने सभी को राजयोग का गहन अनुभव भी कराया।

रश्मि बहन,हेड ऑफ द् डिपार्टमेंट,लॉ कॉलेज,मुम्बई ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की शुरुआत में मुकेश आहूजा,एडवोकेट ने सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। न्यायविद से जुड़े सैंकड़ों गणमान्य जनों ने इस ने इस सुंदर कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट लता,माउण्ट आबू ने किया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th July 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।